

Daily Current Affairs

Date : 25 July, 2025



अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	बाड़मेर, जैसलमेर और बालोतरा में रेयर अर्थ एलीमेंट्स की खोज
2.	जयपुर विश्व के शीर्ष 10 सर्वश्रेष्ठ शहरों में शामिल
3.	मुंशी प्रेमचंद राष्ट्रीय कथा सम्मान - 2025
4.	खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 हेतु समितियाँ
5.	छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट
6.	'समाजवाद' और 'पंथनिरपेक्षता'
7.	भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (CETA)
8.	प्रासात ता मुएन (प्रीह विहार) मंदिर
9.	स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रचेत'
10.	ग्लोबल बायोडायवर्सिटी अलायंस समिट 2025
11.	रामसर कन्वेंशन ऑन वेटलैंड्स की 15वीं बैठक
12.	बर्नीहाट और दिल्ली विश्व के सबसे प्रदूषित शहर
13.	मेरी पंचायत ऐप ने जीता WSIS 2025 पुरस्कार
14.	नितिन गुप्ता
15.	आयकर दिवस 2025
16.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. खनन पर्यटन शुरू करने वाला देश का पहला राज्य : झारखंड 2. एशिया कप 2025 की मेजबानी : भारत

--: 1 :-

राजस्थान परिदृश्य

बाड़मेर, जैसलमेर और बालोतरा में रेयर अर्थ एलीमेंट्स की खोज

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, बाड़मेर-जैसलमेर सांसद द्वारा लोकसभा में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में खान मंत्रालय ने जानकारी दी कि बाड़मेर, जैसलमेर और बालोतरा में सामरिक और तकनीकी दृष्टि से महत्वपूर्ण परमाणु ऊर्जा व रेयर अर्थ एलीमेंट्स (Rare Earth Elements) का प्रचुर भंडार उपलब्ध है।



→ मुख्य बिंदु :

- खान मंत्रालय के अनुसार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) और एटॉमिक मिनरल्स डायरेक्टोरेट (AMD) ने इन क्षेत्रों में अब तक कुल 47 विस्तृत भूगर्भीय सर्वेक्षण किये हैं।
- इन सर्वेक्षणों में विशेष रूप से बालोतरा की सिवाना तहसील को रेयर अर्थ एलिमेंट्स का महत्वपूर्ण क्षेत्र बताया गया है।

प्रमाणित भंडार:

- सिवाना (बालोतरा) में मौजूद दुर्लभ व सामरिक खनिजों में थोरियम (81.8 मिलियन टन), नियोडिमियम (67.6 मिलियन टन), टैंटलम (6.8 मिलियन टन) और जिरकोनियम (52.5 मिलियन टन) शामिल हैं।
- इसके अलावा इस क्षेत्र में नाइओबियम, रेनियम, रेडियम और रुबिडियम जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण खनिज भी पाए गए हैं।
- देश का पहला हार्ड रॉक ब्लॉक : सिवाना तहसील के भाटीखेड़ा ब्लॉक में हार्ड रॉक ग्रेनाइट में रेयर एलिमेंट्स का भंडार मिला है। हार्ड रॉक में इतने बड़े पैमाने पर दुर्लभ खनिज मिलने वाला यह देश का पहला ब्लॉक होगा।

सामरिक महत्त्व:

- ये खनिज परमाणु ऊर्जा, इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा, अंतरिक्ष अनुसंधान, हाई-टेक मैनुफैक्चरिंग तथा इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- **नोट :** वर्तमान में विश्व के लगभग 90 प्रतिशत रेयर अर्थ एलिमेंट्स का उत्पादन चीन में होता है। भारत में इन खनिजों की खोज सामरिक दृष्टि से आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम है।

❖ फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- ◆ जनवरी, 2025 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने सात वर्षों के लिए ₹34,300 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' (NCMM) को स्वीकृति प्रदान की।
- ◆ इस मिशन का उद्देश्य क्रिटिकल मिनरल्स के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है।

जयपुर विश्व के शीर्ष 10 सर्वश्रेष्ठ शहरों में शामिल

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, पर्यटन पत्रिका ट्रेवल एंड लीजर द्वारा आयोजित 2025 रीडर्स सर्वे में जयपुर ने विश्व के शीर्ष 10 सर्वश्रेष्ठ शहरों में स्थान प्राप्त किया।



→ मुख्य बिंदु :

- जयपुर को आइकॉनिक ग्लोबल डेस्टिनेशन की श्रेणी में 5वां स्थान मिला है।
- जयपुर ने इस रैंकिंग में 91.33 का स्कोर प्राप्त किया, जो इसकी समृद्ध विरासत, शाही महलों और जीवंत सांस्कृतिक अनुभवों को दर्शाता है।

Daily Current Affairs

Date : 25 July, 2025



रैंकिंग में शामिल शीर्ष-5 शहर:

रैंक	शहर	देश
1st	सैन मिगुएल डी अलेन्दे	मेक्सिको
2nd	चियांग माई	थाईलैंड
3rd	टोक्यो	जापान
4th	बैंकॉक	थाईलैंड
5th	जयपुर	भारत

UTKARSH

CIVIL
SERVICES

--: 5 ::--

मुंशी प्रेमचंद राष्ट्रीय कथा सम्मान - 2025

➔ चर्चा में क्यों?

- कोटा निवासी कथाकार विजय जोशी को हाल ही में प्रतिष्ठित 'मुंशी प्रेमचन्द राष्ट्रीय कथा सम्मान - 2025' से सम्मानित किया गया।



➔ मुख्य बिंदु :

- भोपाल (मध्य प्रदेश) स्थित भव्या पब्लिकेशन संस्थान द्वारा प्रति वर्ष मुंशी प्रेमचन्द राष्ट्रीय कथा सम्मान प्रदान किए जाते हैं।
- यह सम्मान उन्हें हिन्दी कथा साहित्य में उनके उल्लेखनीय कार्य एवं समग्र कथा-साहित्य में अतुलनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया।

Daily Current Affairs

Date : 25 July, 2025



विजय जोशी की रचनाएं:

- उपन्यास (2) : चीखते चौबारे, रिसते हुए रिश्ते।
- हिन्दी कहानी संग्रह (6) : खामोश गलियारे, केनवास के परे, कुहासे का सफर, बिंधे हुए रिश्ते, सुलगता मौन तथा वैकुण्ठगामी।
- बाल कहानी संग्रह (1) : बदल गया मिंकू।



-: 7 :-

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 हेतु समितियाँ

➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नवंबर, 2025 में जयपुर में आयोजित होने वाले 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025' हेतु समितियों के गठन की घोषणा की गई।

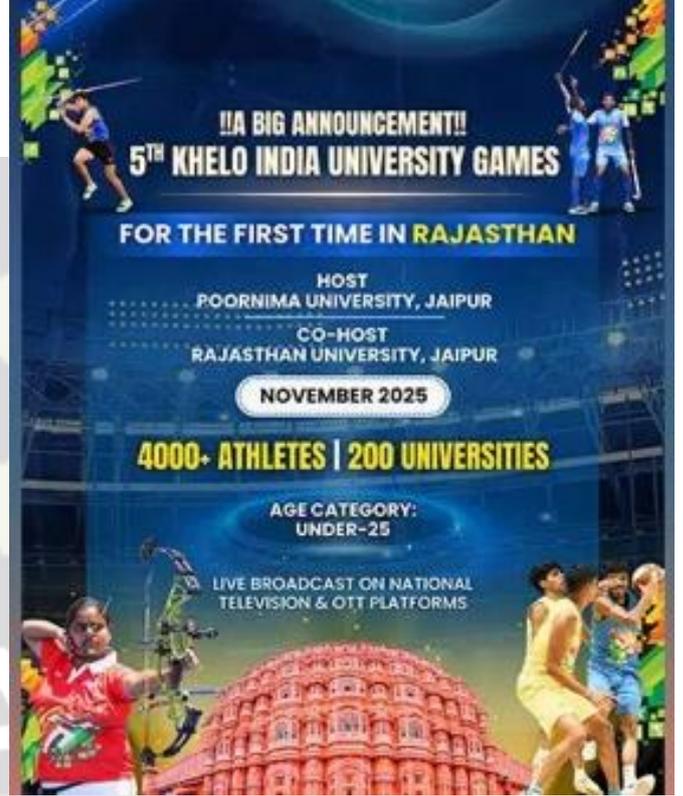
➔ मुख्य बिंदु :

आयोजन और कॉर्डिनेशन समिति:

- सदस्य संख्या - 19
- अध्यक्ष - राजस्थान के मुख्यमंत्री।
- उपाध्यक्ष - केन्द्रीय खेल मंत्री।
- सदस्य - राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय ओलंपिक संघ (IOA), भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) और भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के अधिकारी।

एग्जीक्यूटिव समिति : (निगरानी एवं सुपरविजन हेतु)

- सदस्य संख्या - 29
- अध्यक्ष - राजस्थान के मुख्य सचिव।
- उपाध्यक्ष - भारत सरकार के खेल सचिव।



Daily Current Affairs

Date : 25 July, 2025



खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025

- इन खेलों का पाँचवां संस्करण नवंबर, 2025 में जयपुर में आयोजित किया जाएगा।
- इन खेलों में अंडर-25 आयु वर्ग के एथलीट भाग लेंगे।
- **नोट :** अंडर-18 खेलो इंडिया यूथ गेम्स का आयोजन मई, 2025 में बिहार में हुआ था।



राष्ट्रीय परिदृश्य

छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

➔ चर्चा में क्यों?

- जुलाई, 2025 में ट्रेवल एण्ड लीज़र पत्रिका ने वर्ष 2025 के 10 पसंदीदा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों की सूची में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (CSMIA) को 84.23 अंकों के साथ 9वां स्थान प्रदान किया।



Daily Current Affairs

Date : 25 July, 2025



➔ मुख्य बिंदु :

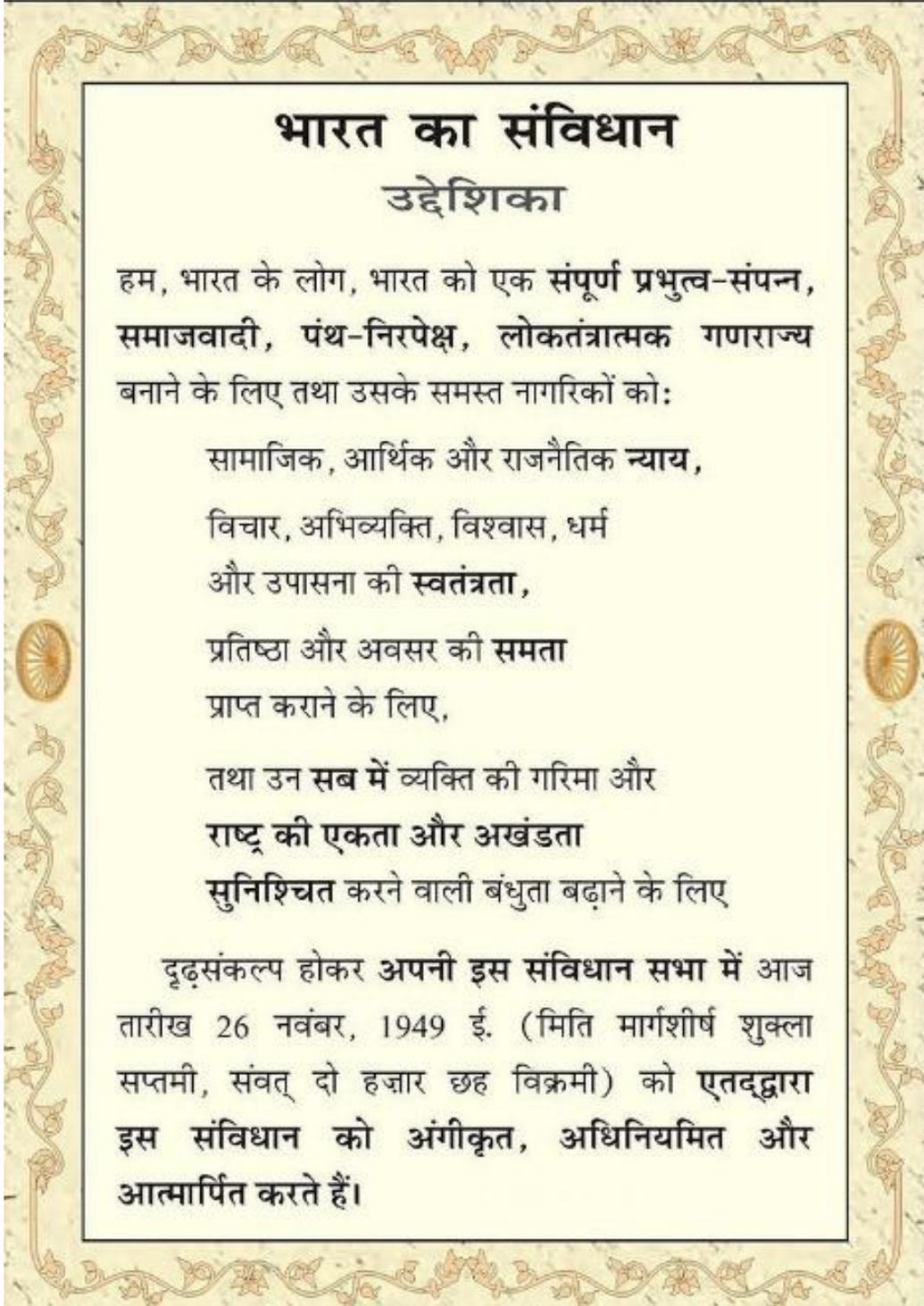
- हवाई अड्डों का मूल्यांकन सुगम्यता, चेक-इन अनुभव, सुरक्षा, भोजन विकल्प, खरीदारी और समग्र डिजाइन के आधार पर किया गया।
- यह लगातार तीसरे वर्ष इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान पाने वाला एकमात्र भारतीय हवाई अड्डा है।
- 2025 में शीर्ष 5 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे :

रैंक	हवाई अड्डा	देश
1	इस्तांबुल हवाई अड्डा	तुर्की
2	चांगी हवाई अड्डा	सिंगापुर
3	हमाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	क़तर
4	जायेद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	संयुक्त अरब अमीरात
5	दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	संयुक्त अरब अमीरात
9	छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	भारत

'समाजवाद' और 'पंथनिरपेक्षता'

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, केंद्र सरकार ने राज्यसभा को सूचित करते हुए कहा कि संविधान की प्रस्तावना से 'समाजवाद' और 'पंथनिरपेक्षता' शब्दों को हटाने का कोई उद्देश्य नहीं है।



➔ मुख्य बिंदु :

- विगत दिनों में राज्यसभा में संविधान की प्रस्तावना में शामिल शब्दों 'समाजवादी' और 'पंथ-निरपेक्ष' से संबंधित बहस हुई।

- आलोचकों का तर्क है कि इन शब्दों को व्यापक परामर्श के बिना शामिल किया गया था और ये भारत के अंतर्निहित धर्मनिरपेक्ष सभ्यतागत लोकाचार के साथ सुमेलित नहीं हैं।

संविधान की प्रस्तावना:

- प्रस्तावना भारतीय संविधान का परिचयात्मक वक्तव्य है।
- यह संविधान के मूल्य, उद्देश्य और मार्गदर्शक सिद्धांतों को दर्शाती है।
- यह भारतीय जनता की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है और संविधान की भावना को समझने की कुंजी है।
- इसका आधार 'उद्देश्य प्रस्ताव' है, जिसे 22 जनवरी, 1947 को संविधान सभा ने अपनाया था।

1960 का बेरुबारी वाद:

- यह मामला संविधान की प्रस्तावना की वैधानिक स्थिति पर केंद्रित था।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रस्तावना संविधान की "निर्माताओं के मस्तिष्क की कुंजी" है।
- न्यायालय ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रस्तावना संविधान का भाग नहीं है।
- इसलिए प्रस्तावना को कानून की अदालत में लागू (Enforceable) नहीं किया जा सकता।

केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य, 1973:

- यह मामला संविधान संशोधन की सीमा और प्रस्तावना की स्थिति पर आधारित था।
- सुप्रीम कोर्ट में पहली बार 13 न्यायाधीशों की सबसे बड़ी संवैधानिक पीठ ने सुनवाई की।
- अदालत ने फैसला दिया कि अब से प्रस्तावना संविधान का हिस्सा मानी जाएगी।
- साथ ही यह स्पष्ट किया गया कि प्रस्तावना को अनुच्छेद 368 के तहत संशोधित किया जा सकता है।
- परंतु यह संशोधन संविधान की 'मूल संरचना' (Basic Structure) को प्रभावित नहीं कर सकता।

42वाँ संविधान संशोधन-1976:

- 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'पंथ-निरपेक्ष' तथा 'अखंडता' शब्द जोड़े गए।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत-ब्रिटेन व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (CETA)

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत और ब्रिटेन ने व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (CETA) पर हस्ताक्षर किए।



→ मुख्य बिंदु :

- व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (CETA) मुक्त व्यापार समझौते का ही एक आयाम हैं।
- भारत और ब्रिटेन क्रमशः चौथी और छठी सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्थाएँ हैं।
- दोनों देशों का वर्तमान द्विपक्षीय व्यापार 56 अरब डॉलर का है, जिसे वर्ष 2030 तक दोगुना करने का लक्ष्य है।

व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (CETA) की विशेषताएं:

- CETA के तहत भारत को ब्रिटेन के लिए 99 प्रतिशत निर्यात पर शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी।
- इससे कपड़ा, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न-आभूषण, खेल-सामान और खिलौने जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को लाभ होगा।
- साथ ही इंजीनियरिंग उत्पाद, ऑटो कंपोनेंट्स और जैविक रसायन जैसे उभरते क्षेत्रों को भी अवसर मिलेंगे।
- आईटी, फिनटेक, कानूनी, शैक्षिक और डिजिटल सेवाओं को व्यापक बाज़ार पहुँच मिलेगी।
- भारतीय पेशेवरों; जैसे - इंजीनियर, शेफ, आर्किटेक्ट, योग प्रशिक्षक, संगीतकार को सरल वीज़ा प्रक्रिया का लाभ मिलेगा।
- यह भारतीय टैलेंट मोबिलिटी को आसान बनाएगा।
- यह समझौता 'मेक इन इंडिया' को बढ़ावा देगा और MSME, स्टार्टअप्स, कारीगरों, किसानों को वैश्विक बाज़ार से जोड़ेगा।
- समझौता नवाचार, टिकाऊ प्रथाओं और गैर-टैरिफ बाधाओं को कम करने वाले प्रावधानों को शामिल करता है।
- महिला और युवा उद्यमियों को वैश्विक वैल्यू चेन तक पहुँच मिलेगी।

विभिन्न प्रकार के व्यापार समझौते:

अधिमान्य व्यापार समझौता:

- यह एक व्यापारिक समूह है जो भागीदार देशों के कुछ उत्पादों तक तरजीही पहुंच प्रदान करता है।
- इस प्रकार का समझौता टैरिफ को कम करके किया जाता है, लेकिन उन्हें पूरी तरह से समाप्त नहीं किया जाता; व्यापार बाधाओं को कम करने के लिए न्यूनतम स्तर की प्रतिबद्धता की आवश्यकता होती है।

- उदाहरण: मर्कोसुर अधिमान्य व्यापार समझौता, एशिया प्रशांत व्यापार समझौता।
- औद्योगिक राष्ट्रों द्वारा विकासशील देशों को दी जाने वाली अधिमान्य योजना ।
- इसमें सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र (MFN) टैरिफ में कमी या लाभार्थी देशों द्वारा निर्यात किए गए पात्र उत्पादों का दाता देशों के बाजारों में शुल्क मुक्त प्रवेश शामिल है।

मुक्त व्यापार समझौता:

- यह एक व्यापार ब्लॉक है जो सदस्य देशों के बीच व्यापार की जाने वाली अधिकांश (यदि सभी नहीं) वस्तुओं और सेवाओं पर टैरिफ , आयात कोटा और वरीयता को समाप्त करता है।

- उदाहरण: SAFTA (दक्षिण एशियाई PTA से FTA), आसियान FTA

व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (CECA)/ व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (CEPA):

- यह मुक्त व्यापार क्षेत्र से अधिक व्यापक समझौते हैं जो वस्तुओं, सेवाओं, निवेश तथा आर्थिक सहयोग के चिह्नित अन्य क्षेत्रों को समाहित करते हैं।
- जब देश एफटीए से आगे बढ़कर आर्थिक एकीकरण के लिए सहमत होते हैं, जो पूंजी और मानव संसाधनों तक विस्तारित होता है तथा व्यापार और निवेश का विस्तार करता है।
- CECA पहले आता है जिसमें टैरिफ समाप्त कर दिए जाते हैं , CEPA बाद में आता है जिसमें सेवाओं और निवेश में व्यापार शामिल है।

सीमा शुल्क संघ:

- सीमा शुल्क संघ के सदस्य देशों के बीच एक समझौता उनके बीच व्यापार बाधाओं को हटाता है तथा सामान्य बाह्य व्यापार बाधाओं को अपनाता है।

आम बाज़ार:

- एक प्रकार का कस्टम यूनियन जिसमें सदस्य आंतरिक व्यापार बाधाओं को हटाते हैं, सामान्य नीतियां अपनाते हैं, सदस्यों को आपस में संसाधनों को स्वतंत्र रूप से स्थानांतरित करने की अनुमति देते हैं।

आर्थिक संघ:

- यह एक प्रकार का व्यापार ब्लॉक है जो एक सामान्य बाजार और सीमा शुल्क संघ से मिलकर बना होता है।
- सदस्य आपस में व्यापार बाधाओं को समाप्त करते हैं, समान बाह्य बाधाओं को अपनाते हैं, संसाधनों के मुक्त आयात और निर्यात की अनुमति देते हैं, आर्थिक नीतियों का एक सेट अपनाते हैं, और एक मुद्रा का उपयोग करते हैं।
- **उदाहरण:** यूरोपीय संघ।

प्रासात ता मुएन (प्रीह विहार) मंदिर

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर डांगरेक पहाड़ियों में स्थित 900 वर्ष पुराने प्रासात ता मुएन (शिव मंदिर) पर अधिकार को लेकर दोनों देशों के मध्य सैन्य संघर्ष की शुरुआत हुई।



→ मुख्य बिंदु :

- यह मंदिर थाईलैंड के भौगोलिक क्षेत्र में आता है किन्तु कंबोडिया इसे अपनी धरोहर मानता है।
- वर्ष 1904 में फ्रांसीसी औपनिवेशिक प्रशासन ने 'फ्रेंको-सियामी संधि' के तहत बॉर्डर मार्किंग के लिए डांगरेक पर्वत को आधार बनाकर थाईलैंड, कंबोडिया और लाओस की सीमाओं के संगम को एमराल्ड ट्रायंगल नाम दिया।
- वर्ष 1907 में फ्रांसीसी सर्वेक्षकों ने प्रासात ता मुएन मंदिर को कंबोडिया में दिखाया।

प्रासात ता मुएन (शिव मंदिर) :

- **यूनेस्को विश्व धरोहर** : वर्ष 2008 में कंबोडिया ने प्रासात ता मुएन/प्रीह विहार मंदिर को यूनेस्को विश्व धरोहर घोषित करवाया, जिसके कारण थाईलैंड ने इसका विरोध किया।
- **निर्माण** : 12वीं शताब्दी में खमेर साम्राज्य के शासक उदयादित्यवर्मन द्वितीय द्वारा।
- **विशेषताएँ**:
 - यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।
 - यह आयताकार मंदिर मुख्य रूप से लेटराइट (एक प्रकार की टिकाऊ लाल मिट्टी) और बलुआ पत्थर से बना है।
 - इसमें एक वर्गाकार मुख्य प्रासात है, जो बलुआ पत्थर और लेटराइट से बना है। इसके दाईं ओर पुस्तकालय है जिसके चारों ओर लेटराइट की दीवारें हैं।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रचेत'

→ चर्चा में क्यों?

- 23 जुलाई, 2025 को रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक इकाई गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए दूसरे स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित प्रदूषण नियंत्रण पोत (PCV) 'समुद्र प्रचेत' का जलावतरण किया।



Daily Current Affairs

Date : 25 July, 2025



➔ मुख्य बिंदु :

- इस पोत में दो साइड-स्वीपिंग आर्म्स हैं जो चलते समय तेल रिसाव को एकत्रित करने में सक्षम हैं, साथ ही तेल के धब्बों का पता लगाने के लिए एक आधुनिक रडार प्रणाली भी है।
- इस जहाज को पूरे श्यानता स्पेक्ट्रम में तेल निकालने, दूषित पानी को पंप करने, प्रदूषकों का विश्लेषण और पृथक्करण करने और निकाले गए तेल को समर्पित ऑनबोर्ड टैंकों में संग्रहीत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह पोत भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र (EEZ) में तेल रिसाव की स्थिति से निपटने की क्षमताओं को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा।

अन्य महत्वपूर्ण बिन्दु :

- पहले प्रदूषण नियंत्रण पोत (PCV) 'समुद्र प्रताप' का अगस्त, 2024 में जलावतरण किया गया था।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

ग्लोबल बायोडायवर्सिटी अलायंस समिट 2025

→ चर्चा में क्यों?

- 23 से 25 जुलाई, 2025 तक गुयाना की राजधानी जॉर्जटाउन में 'ग्लोबल बायोडायवर्सिटी अलायंस समिट 2025' का आयोजन किया गया।



➔ मुख्य बिंदु :

- 'ग्लोबल बायोडायवर्सिटी अलायंस समिट 2025' में भारतीय उच्चायोग ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) द्वारा बनाई तकनीकों को प्रदर्शित किया।
- प्रदर्शनी में रिसोर्स मैपिंग, जलवायु अनुकूलन, कृषि और अन्य जुड़े हुए विषयों में नई तकनीकों को दर्शाया गया।
- विश्व जलवायु एवं जैव विविधता शिखर सम्मेलन 2025 : इस सम्मेलन के पांचवें संस्करण का आयोजन 25 सितम्बर, 2025 को न्यूयॉर्क में किया जाएगा।

❖ फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स :

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस :

- ◆ आयोजन : प्रति वर्ष 22 मई को मनाया जाता है।
- ◆ 2025 की थीम : "प्रकृति के साथ सामंजस्य और सतत विकास"।

रामसर कन्वेंशन ऑन वेटलैंड्स की 15वीं बैठक

➔ चर्चा में क्यों?

- 23 से 31 जुलाई, 2025 तक जिम्बाब्वे के विक्टोरिया फॉल्स में रामसर कन्वेंशन ऑन वेटलैंड्स की 15वीं बैठक (COP-15) आयोजित की जा रही है।



--: 25 :-

➔ मुख्य बिंदु :

- इस कन्वेंशन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव द्वारा किया गया।
- COP 15 के उच्च स्तरीय मंत्रिस्तरीय सत्र में 'आर्द्रभूमि संरक्षण को मुख्यधारा में लाकर नीति और कानूनी ढाँचे को मज़बूत करना' विषय पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री ने निम्नलिखित जानकारी साझा की-
 - पिछले दशक में, भारत ने रामसर वेटलैंड्स की सूची में 250 प्रतिशत का विस्तार किया और भारत, 91 रामसर स्थल (1.36 मिलियन हेक्टेयर) के साथ एशिया में सबसे बड़ा और विश्व स्तर पर तीसरा सबसे बड़ा नेटवर्क है।
 - दो भारतीय शहरों उदयपुर और इंदौर को पहली बार वेटलैंड सिटीज़ के रूप में मान्यता दी गई।
 - इसके साथ ही मिशन लाइफ, एक पेड़ माँ के नाम, मिशन सहभागिता और आर्द्रभूमि बचाओ अभियान ने 2 मिलियन से अधिक नागरिकों को संगठित किया।

बर्नीहाट और दिल्ली विश्व के सबसे प्रदूषित शहर

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, ऊर्जा एवं स्वच्छ वायु अनुसंधान केंद्र (CREA) द्वारा जारी रिपोर्ट में वर्ष 2025 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में भारत के सर्वाधिक वायु प्रदूषित शहरों की सूची प्रकाशित की गई।



→ मुख्य बिंदु :

- इस रिपोर्ट के अनुसार, असम-मेघालय सीमा पर स्थित बर्नीहाट देश का सबसे प्रदूषित शहर हैं तथा दूसरा सबसे प्रदूषित शहर दिल्ली है।
- इनके अतिरिक्त सासाराम, पटना, राजगीर (बिहार) तथा तालचेर, राउरकेला (ओडिशा) भी शीर्ष 10 प्रदूषित शहरों में शामिल हैं।

Daily Current Affairs

Date : 25 July, 2025



शीर्ष 5 सबसे प्रदूषित शहर (जनवरी-जून 2025 तक):

क्रमांक	शहर	राज्य
1.	बर्नीहाट	मेघालय
2.	दिल्ली	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
3.	हाजीपुर	बिहार
4.	गाजियाबाद	उत्तर प्रदेश
5.	गुड़गांव	हरियाणा

भारत का सबसे स्वच्छ शहर:

- **आइजोल (मिजोरम):** औसत PM 2.5 - 8 ug/m³ (WHO के अनुसार सुरक्षित स्तर 5 ug/m³)

पुरस्कार एवं सम्मान

मेरी पंचायत ऐप ने जीता WSIS 2025 पुरस्कार

➔ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत सरकार के 'मेरी पंचायत' मोबाइल एप्लिकेशन ने वर्ल्ड समिट ऑन द इन्फॉर्मेशन सोसाइटी (WSIS) पुरस्कार 2025 जीता।



➔ मुख्य बिंदु :

- 'मेरी पंचायत' मोबाइल ऐप को पंचायती राज मंत्रालय ने राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) के सहयोग से विकसित किया है।
- यह सम्मान WSIS+20 उच्च-स्तरीय कार्यक्रम 2025 के दौरान जिनेवा, स्विट्ज़रलैंड में दिया गया।
- यह कार्यक्रम WSIS सम्मेलन के 20 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।
- मेरी पंचायत' मोबाइल एप्लिकेशन का उद्देश्य ग्राम पंचायतों में पारदर्शी और सहभागी डिजिटल शासन को बढ़ावा देना है।

चर्चित व्यक्तित्व

नितिन गुप्ता

→ चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नितिन गुप्ता को राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (NFRA) का प्रमुख नियुक्त किया गया।



→ मुख्य बिंदु :

- वे भारतीय राजस्व सेवा (IRS) के वर्ष 1986 बैच के अधिकारी हैं।
- उन्हें नीति निर्माण से लेकर जांच तक के जटिल विषयों पर कार्य का व्यापक अनुभव है।
- उन्होंने 27 जून, 2022 से 30 जून, 2024 तक केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) के अध्यक्ष के रूप में सेवाएँ दी।
- इस दौरान विभाग की डिजिटल निगरानी व्यवस्था को व्यापक रूप से विकसित किया गया।
- उनके कार्यकाल में ई-वेरिफिकेशन प्रणाली को दिशा और विस्तार मिला।

महत्त्वपूर्ण दिवस

आयकर दिवस 2025

➔ चर्चा में क्यों?

- प्रति वर्ष 24 जुलाई को आयकर दिवस मनाया जाता है।



➔ मुख्य बिंदु :

- यह दिवस वर्ष 1860 में ब्रिटिश काल में सर जेम्स विल्सन द्वारा लागू आयकर व्यवस्था की याद में मनाया जाता है।

आयकर व्यवस्था:

- 24 जुलाई, 1860 को युद्ध खर्चों के लिए आयकर की शुरुआत की गई।
- वर्ष 1922 में आयकर अधिनियम ने एक औपचारिक कर ढांचा और अधिकारियों की नियुक्ति की नींव रखी।
- वर्ष 1924 में सेंट्रल बोर्ड ऑफ रेवेन्यू अधिनियम के तहत एक वैधानिक निकाय स्थापित हुआ।
- वर्ष 1981 में कंप्यूटरीकरण की शुरुआत से कर प्रशासन डिजिटल दिशा में बढ़ा।
- वर्ष 2009 में CPC (केंद्रीकृत प्रसंस्करण केंद्र) से रिटर्न प्रोसेसिंग तेज और प्रभावी हुई।

Daily Current Affairs

Date : 25 July, 2025



आयकर:

- यह एक वित्तीय वर्ष में अर्जित किसी व्यक्ति या व्यवसाय की वार्षिक आय पर लगाया जाने वाला कर है।
- आयकर आधुनिक राष्ट्र की आर्थिक रीढ़ है।
- इसका उपयोग शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा और बुनियादी ढांचे के वित्तपोषण में होता है।
- यह संपत्ति के पुनर्वितरण द्वारा आर्थिक असमानता को घटाता है।
- यह सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास और जवाबदेही को बढ़ाता है।
- सार्वजनिक निवेश, रोजगार और सामाजिक योजनाओं को समर्थन मिलता है।
- इससे लोकतंत्र मजबूत होता है और समावेशी विकास संभव होता है।

न्यूज़ इन शॉर्ट्स

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>खनन पर्यटन शुरू करने वाला देश का पहला राज्य : झारखंड</p>  <ul style="list-style-type: none">◆ 21 जुलाई, 2025 को पर्यटकों को खानों की संस्कृति और विरासत से जोड़ने के लिए कोल इंडिया की सहायक कंपनी सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (CCL) और झारखंड पर्यटन विकास निगम के मध्य पांच वर्षों हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।◆ इस प्रकार झारखंड 5 अगस्त, 2025 से खनन पर्यटन शुरू करने वाला देश का पहला राज्य बन जाएगा।◆ देश के लगभग 40 प्रतिशत खनिज झारखंड में केंद्रित हैं।

2.

एशिया कप 2025 की मेजबानी : भारत



- ◆ हाल ही में, एशियन क्रिकेट काउंसिल (ACC) ने एशिया कप 2025 की मेजबानी BCCI को सौंपी है।

CIVIL SERVICES